INDIA NON JUDICIAL

Government of Uttar Pradesh

IN-UP03842470303817W

सत्यमेव जयते

e-Stamp

Certificate No.	:	IN-UP03842470303817W
Certificate Issued Date	:	21-Mar-2024 12:54 PM
Account Reference	:	NEWIMPACC (SV)/ up14241304/ BIJNOR SADAR/ UP-BJN
Unique Doc. Reference	:	SUBIN-UPUP14241304038520264 26975W
Purchased by	:	CHANDRASHEKHAR SO GORDHAN DAS
Description of Document	:	Article 4 Affidavit
Property Description	:	Not Applicable
Consideration Price (Rs.)	:	
First Party	:	CHANDRASHEKHAR SO GORDHAN DAS
Second Party	:	Not Applicable
Stamp Duty Paid By	:	CHANDRASHEKHAR SO GORDHAN DAS
Stamp Duty Amount(Rs.)	:	10 (Ten only)

सत्यमेव जयते

DEVENDRA KUMAR BIJNOR ₹10 ACC CODE UP 14241304

NOTARY HARIOM SINGH Advocate Tehsil, Dhampur, (Bijnor) U.P. Reg. No. 9447/2012 Valid 11-08-2027 GOVT. OF INDIA

NOTARIAL NOTARIAL

IN-UP03842470303817W

Please write or type below this line

समक्ष :-

रिटर्निंग अधिकारी,
05- नगीना (सु०) लोकसभा क्षेत्र
जिला- बिजनौर (उ०प्र०)

शपथ-पत्र द्वारा :- मैं, चन्द्रशेखर उम्र 36 वर्ष पुत्र श्री गोर्धनदास नि०- 1143, छुटमलपुर था० बेहट जि० सहारनपुर (उ०प्र०) सशपथ निम्नलिखित कथन करता हूँ :-

Sworn before me on the 21 day of 03-24
by chandrashekhar
Who has been Identified by Rajneesh Gautam Adv
Who is personally known to me.
Whose Signature (S) is are here to
identified.

चन्द्रशेखर

Identify by
[signature]

HARIOM SINGH 21/3/24
Advocate/Notary
Teh. Dhampur (Bijnor) U.P.

Statutory Alert:

1. The authenticity of this Stamp certificate should be verified at 'www.shcilestamp.com' or using e-Stamp Mobile App of Stock Holding. Any discrepancy in the details on this Certificate and as available on the website / Mobile App renders it invalid.
2. The onus of checking the legitimacy is on the users of the certificate.
3. In case of any discrepancy please inform the Competent Authority.

प्ररूप 26

(नियम 4क देखिए)

05- नगीना (सु०) निर्वाचन-क्षेत्र से

(निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

लोक सभा (सदन का नाम) के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा नाम-निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ पत्र

भाग-क

मैं, चन्द्रशेखर पुत्र/पुत्री/पत्नी गोवर्धनदास आयु 36 वर्ष, जो 1143, छुटमलपुर त० बेहट, जि. सहारनपुर उ०प्र० (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूं, और उपरोक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी हूं, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/~~करती हूं~~, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/~~करती हूं~~:-

(1) मैं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/~~**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा~~ हूं।

(**जो लागू न हो उसे काट दें)

(2) मेरा नाम 1- सहारनपुर (सा०) (निर्वाचन-क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं. 395 के क्रम सं. 127 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा/मेरे 9258613634 संपर्क दूरभाष संख्या/संख्याएं है/हैं और नीचे मेरा ईमेल पता (यदि कोई हो) है तथा मेरा/मेरे सोशल मीडिया खाता/खाते (यदि कोई हो) निम्नलिखित है/हैं।

(i) aazaadsamajparty@gmail.Com

(ii) @Bhim Army Chief

(iii) लागू नहीं होता

(4) स्थाई खाता संख्या (पैन) और आय-कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति:

क्रम सं.	नाम	पीएएन (स्थाई खाता संख्या)	वह वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	पिछले पांच वित्तीय वर्षों (31 मार्च को) के लिए आयकर विवरणी में दर्शित कुल आय (रुपए में)
1.	स्वयं चन्द्रशेखर	LOVPS1655D	2022-23	4909200/-
	चन्द्रशेखर	LOVPS1655D	2021-22	43000[illegible]/-
	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

NOTARY HARIOM SINGH Advocate Tehsil, Dhampur, (Bijnor) U.P. Reg. No. 9447/2012 Valid 11-09-2029 GOVT. OF INDIA

HARIOM SINGH ADVOCATE/NOTARY (Bijnor)

चन्द्रशेखर

	शून्य	शून्य	शून्य	(iv) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(v) शून्य
2.	पति या पत्नी	AOCPK6953N	शून्य	(i) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(ii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iv) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(v) शून्य
3.	हिंदू अविभक्त कुटुंब (यदि अभ्यर्थी कर्ता या सहदायिक है)	शून्य	शून्य	(i) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(ii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iv) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(v) शून्य
4.	आश्रित - 1 शून्य	शून्य	शून्य	(iii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(i) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(ii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iv) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(v) शून्य
5.	आश्रित - 2 शून्य	शून्य	शून्य	(i) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(ii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iv) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(v) शून्य
6.	आश्रित - 3 शून्य	शून्य	शून्य	(i) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(ii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iii) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(iv) शून्य
	शून्य	शून्य	शून्य	(v) शून्य

NOTARY HARIOM SINGH Advocate Tehsil, Dhampur, (Bijnor) U.P. Regd. No. 9447/2012 Valid 11-09-2027 INDIA

टिप्पण : स्थायी खाता संख्या (पैन) धारक के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) का उल्लेख करना आज्ञापक होगा और कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) न होने की दशा में यह स्पष्ट रूप से कथन करना चाहिए कि "कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) आबंटित नहीं हुआ है"।

HARIOM SINGH ADVOCATE/NOTARY Teh. Dhampur (Bijnor)

(5) लंबित आपराधिक मामले

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मेरे विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।
(यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तो इस विकल्प को चिह्नांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नहीं होता है लिखें)

या

(ii) मेरे विरुद्ध निम्नलिखित आपराधिक मामले लंबित हैं:
(यदि अभ्यर्थी के विरुद्ध आपराधिक मामले लंबित हैं तो इस विकल्प चिह्नांकित करें और उपरोक्त विकल्प (I) को काट दें और नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों का ब्यौरे दें)

सारणी

(क)	संबद्ध पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट सं.	लंबित आपराधिक मामलों की 'सारणी-क' संलग्न है
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला सं.	लंबित आपराधिक मामलों की सारणी 'क' संलग्न है।
(ग)	अंतर्वलित संबद्ध अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं *(धारा की सं. दें अर्थात् भारतीय दंड सहिता, आदि की धारा......)*	लंबित आपराधिक मामलो की सारणी 'क' संलग्न है।
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	सारणी 'क' संलग्न है,
(ङ)	क्या आरोप विरचित किए गए हैं *(हां या नहीं का उल्लेख करें)*	सारणी 'क' संलग्न है।
(च)	यदि उपरोक्त मद (ङ) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दे, जिसको आरोप विरचित किए गए थे	सारणी 'क' संलग्न है
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरुद्ध कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है *(हां या नहीं का उल्लेख करें)*	सारणी 'क' संलग्न है।

(6) दोषसिद्धि के मामले,-

(i) मैं यह घोषणा करता/करती हूं कि मुझे किसी आपराधिक मामले मे दोषसिद्ध नहीं किया गया है।
(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध नहीं किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नहीं होता हैं लिखें)

या

NOTARY HARIOM SINGH Advocate Tensil, Dhampur, (Bijnor) U.P. Reg. No. 9447/2012 Valid 11-09-2027 GOVT. OF INDIA

HARIOM SINGH
ADVOCATE/NOTARY
T. Dhampur (Bijnor)

(ii) मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोषसिध्द किया गया है: लागू नही होता

(यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें, और नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दें)

सारणी

(क)	मामला संख्यांक	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	न्यायालय का नाम	शून्य	शून्य	शून्य
(ग)	अंतर्वलित अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं *(धारा की सं. दे, अर्थात् भारतीय दंड सहिता, आदि की धारा......)*	शून्य	शून्य	शून्य
(घ)	अपराधों का संक्षिप्त विवरण, जिनके लिए दोषसिदध किया गया है	शून्य	शून्य	शून्य
(ङ)	दोषसिद्धि के आदेशों की तारीखे	शून्य	शून्य	शून्य
(च)	अधिरोपित दंड	शून्य	शून्य	शून्य
(छ)	क्या दोषसिदधि के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाईल की गई है *(हां या नहीं का उल्लेख करें)*	शून्य	शून्य	शून्य
(ज)	यदि उपरोक्त मद (छ) का उत्तर हां है, तो अपील के ब्यौरे तथा वर्तमान प्रास्थिति दें	शून्य	शून्य	शून्य

(6क) मैंने, ऊपर पैरा (5) और पैरा (6) में दिए गए अनुसार मेरे विरुद्ध सभी लंबित आपराधिक मामलों की और दोषसिद्धि के सभी मामलों के बारे में अपने राजनीतिक दल को पूरी और अद्यतन सूचना दे दी है।

[ऐसे अभ्यर्थियों को, जिन्हें *यह मद लागू नहीं होती है, उपरोक्त पैरा 5(i) और पैरा 6(i) में की प्रविष्टियों को देखते हुए, स्पष्ट रूप से लागू नहीं होता है, लिखना चाहिए*]

NOTARY HARIOM SINGH Advocate Tensil, Dhampur, (Bijnor) U.P. Reg. No. 9447/2012 Valid 11-09-2027 GOVT. OF INDIA

HARIOM SINGH ADVOCATE/NOTARY Dhampur (Bijnor) 21/8/24

टिप्पण:

1. *ब्यौरे स्पष्ट रूप से और सुपाठ्य रुप से बड़े अक्षरों में प्रविष्ट किये जाने चाहिए।*
2. *प्रत्येक मद के सामने विभिन्न स्तंभों के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रुप से दिए जाए।*
3. *ब्यौरे विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात् नवीनतम मामलो को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।*
4. *यदि अपेक्षित हो तो पृथक शीट जोड़ी जा सकती हैं।*
5. *अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनाएं देने का उत्तरदायी होगा।*

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूं:

अ. <u>जंगम आस्तियों के ब्यौरे :</u>

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

टिप्पण 3 - सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 - "आश्रित" से अभ्यर्थी के माता-पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है(हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं हैं और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित हैं।';

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

टिप्पण 6 - ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

स्पष्टीकरण,- इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए "अपतट आस्तियों" पद से विदेशी बैंकों और किसी अन्य विदेशी निकाय या संस्था में सभी जमा राशियों या विनिधानों के ब्यौरे और विदेशों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत हैं';

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	~~पति या~~ पत्नी चन्दना कुमारी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1 प्रत्युश	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	हाथ में नकदी	18000/-	15000/-	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY HARIOM SINGH Advocate Tensil, Dhampur, (Bijnor) U.P. Reg. No. 9447/2012 Valid 11-09-2027 GOVT. OF INDIA

HARIOM SINGH
ADVOCATE/NOTARY
Teh. Dhampur (Bijnor)

चन्द्रशेखर

(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	SBI 19348 7.42/- रु. PUPGB 926.84 रु.	SBI 104139. 40/- रु. PNB 321859 .71/- रु.	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	सी.ए. न्यूज नेटवर्क प्रा.लि.	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	शून्य	LIC Policy 28168/-	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	मोटर यान वाहन/वायुयान/याच/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	सोना आभूषण 50 gm. 300000/-	सोना आभूषण 400 gm. 2400000/-	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	सकल कुल मूल्य	512414 .26/- रु.	2859167 .11/- रु.	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY
HARIOM SINGH
Advocate
Tensil, Dhampur, (Bijnor) U.P.
Reg. No. 9447/2012
Valid 11-09-2027
GOVT. OF INDIA

HARIOM SINGH
ADVOCATE/NOTARY
Teh. Dhampur (Bijnor)

चन्द्रशेखर

ख. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 - प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेन्ट का इस प्रारुप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

टिप्पण 3 - ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	ग्राम समसपुर [illegible] 0 46	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	0.205 है.	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	हाँ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	600000	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	**गैर कृषि भूमि :** अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

चन्द्रशेखर

2/3/24

HARIOM SINGH
ADVOCATE/NOTARY
Teh. Dhampur (Bijnor)

NOTARY HARIOM SINGH Advocate Tehsil Dhampur, (Bijnor) U.P. GOVT. OF INDIA

(iii)	<u>वाणिज्यिक भवन</u> (अपार्टमेंट सहित) -अवस्थिति (अवस्थितियां) -सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(iv)	<u>आवासीय भवन</u> (अपार्टमेंट सहित) -अवस्थिति (अवस्थितियां) -सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	<u>अन्य</u> (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY
HARIOM SINGH
Advocate
Tehsil, Dhampur, (Bijnor) U.P.
Reg. No. 9447/2012
Valid 11-08-2027
GOVT. OF INDIA

HARIOM SINGH
ADVOCATE/NOTARY
Teh. Dhampur (Bijnor)

चन्द्रभान

(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल चालू बाजार मूल्य	600000/	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/ को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूं::-
(टिप्पण: कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यष्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक मद के समक्ष रकम के ब्यौरों का अलग-अलग विवरण दें)

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	<u>बैंक/वित्तीय संस्था</u> (संस्थाओं) को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य दायित्व	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	दायित्वों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	सरकारी शोध्य: सरकारी आवास से संबंधित विभागों को शोध्य	क. क्या अभिसाक्षी वर्तमान निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से पूर्व पिछले दस वर्ष के दौरान किसी समय सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास के अधिभोग में हैं ? ख. यदि उपरोक्त (क) का उत्तर हां है तो निम्नलिखित घोषणा प्रस्तुत करें, अर्थात् :- (i) सरकारी आवास का पता: ....शून्य........ ....शून्य........ .... (ii) उपरोक्त सरकारी आवास के संबंध में, निम्नलिखित के मद्दे कोई शोध्य संदेय नहीं है- (क) भाटक; (ख) विद्युत प्रभार; (ग) जल प्रभार; और (घ) ..शून्य........(तारीख) को टेलीफोन प्रभार [तारीख उस मास से, जिसमें निर्वाचन अधिसूचित					हां/नहीं ✓ *(कृपया उपयुक्त विकल्प पर सही का निशान लगाएं)* शून्य

NOTARY
HARIOM SINGH
Advocate
Tensil. Dhampur (Bijnor) U.P.
Reg. No. 9447/2012
Valid 11-3-2027
GOVT. OF INDIA

HARIOM SINGH
ADVOCATE/NOTARY
Teh. Dhampur (Bijnor)

		किया जाता है, पूर्व तीसरे मास की अंतिम तारीख या उसके पश्चात् की कोई तारीख होनी चाहिए] टिप्पण– उपरोक्त सरकारी आवास के लिए भाटक, विद्युत प्रभार, जल प्रभार और टेलीफोन प्रभार की बाबत् संबंधित अभिकरणों का "बेबाकी प्रमाणपत्र" प्रस्तुत किया जाना चाहिए।					नही
(iii)	सरकारी परिवहन से संबंधित विभाग को शोध्य (जिसके अंतर्गत वायुयान और हेलीकॉप्टर भी हैं)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
		स्वयं	पति/पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(iv)	आयकर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	जीएसटी शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	नगरपालिका/संपत्ति कर शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	कोई अन्य शोध्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादग्रस्त हैं, यदि ऐसा है तो उसमें अंतर्वलित रकम का और प्राधिकारी का, जिसके समक्ष यह लंबित है, उल्लेख करें।	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं ......कृषि......

(ख) पति या पत्नी ......गृहणी......

(9क) आय के स्रोतों के ब्यौरो--

(क) स्वयं ......कृषि......

(ख) पति या पत्नी ......गृहणी......

(ग) आश्रितों के आय के स्रोत,यदि कोई हों......शून्य......

(9ख) समुचित सरकार और किसी पब्लिक कम्पनी या कम्पनियों के साथ संविदाए-

(क) अभ्यर्थी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे......लागू नही होता

(ख) पति या पत्नी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे......लागू नही होता

(ग) आश्रितों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे......लागू नही होता

NOTARY HARIOM SINGH Advocate Tehsil, Dhampur, (Bijnor) U.P. Reg. No. 9447/2012

HARIOM SINGH ADVOCATE/NOTARY Teh. Dhampur (Bijnor)

(घ) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब या न्यास, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित हितबद्ध हैं, द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे..........लागू नही होता

(ङ) भागीदारी फर्मों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित भागीदार हैं..........लागू.......नही होता

(च) प्राइवेट कम्पनियों द्वारा की गई सविंदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रितों हिस्सा हैं..........लागू नही होता

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है:-

.....LL.B. हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय वर्ष 2012

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठयक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठयक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)।

चन्द्रशेखर

NOTARY HARIOM SINGH Advocate Tensil, Dhampur, (Bijnor) U.P. Reg. No. 9447/2012 Valid 11-09-2027 GOVT. OF INDIA

...before me on the 21 day of 03-24
Chandrashekhar
Who has been Identified by Rajneesh Gautam Adv
Who is personally known to me.
These Signature (S) is are here to spondend.
21/3/24
HARIOM SINGH
Advocate/Notary
Teh. Dhampur (Bijnor) U.P

भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिए गए ब्यौरों का सारांश

1.	अभ्यर्थी का नाम		श्री/श्रीमती/कु. चन्द्रशेखर	
2.	डाक का पूरा पता		1143, छुटमलपुर त० बेहट जि० सहारनपुर (उ०प्र०	
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य		05- नगीना (सु०) लोकसभा (उ०प्र०)	
4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'निर्दलीय' लिखें)		आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)	
5.	लंबित आपराधिक मामलों की कुल संख्या		39	
6.	ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें दोषसिद्ध ठहराया गया हैं"।		शून्य	
7.		स्थायी लेखा सं. (पैन)	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आय-कर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	LOVPS1655D	2022-2023	490920/-
	(ख) पति या पत्नी	ADCPK6953N	शून्य	शून्य
	(ग) हिंदू अविभक्त कुटुंब	शून्य	शून्य	शून्य
	(घ) आश्रित	शून्य	शून्य	शून्य

8.		आस्तियों और दायित्वों (अपटट आस्तियों सहित) के रुपयों में ब्यौरे-						
		विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
क.		जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ख.		स्थावर आस्तियां	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	I.	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	II.	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY
HARIOM SINGH
Advocate
Tensil, Dhampur, (Bijnor) U.P.
Reg. No. 9447/2012
Valid 11-03-2027
GOVT. OF INDIA

HARIOM SINGH
ADVOCATE/NOTARY
Teh. Dhampur (Bijnor)

चन्द्रशेखर

	III.	अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत- (क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9.		**दायित्व**						
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
10.		**ऐसे दायित्व जो विवादाधीन हैं**						
	(i)	सरकारी शोध्य (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	(ii)	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
11.		**उच्चतम शैक्षणिक अर्हता :** (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठयक्रम के पूर्ण रूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठयक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।) LL.B, हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय 2012						

NOTARY
HARIOM SINGH
Advocate
Tensil, Dhampur, (Bijnor) U.P.
Reg. No. 944/2017
Valid 11-08-2027
GOVT. OF INDIA

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूं कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूं कि :-

HARIOM SINGH
ADVOCATE/NOTARY
Teh. Dhampur (Bijnor)

(क) मेरे विरुद्ध ऊपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है:

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास ऊपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख [illegible] को सत्यापित किया गया।

अभिसाक्षी

टिप्पण : 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को अपराह्न 3:00 बजे तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण : 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़ें, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थिति "शून्य" या "लागू नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

टिप्पण : 4. शपथपत्र टंकित या सुपाठ्य रूप से साफ-साफ लिखित होना चाहिए।

टिप्पण : 5. शपथ पत्र का प्रत्येक पृष्ठ अभिसाक्षी द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, शपथ पत्र के प्रत्येक पृष्ठ पर ऐसे नोटरी या शपथ आयुक्त या मजिस्ट्रेट जिसके समक्ष शपथ पत्र सत्यापित किया जाता है, की स्टांप होनी चाहिए।

NOTARY
HARIOM SINGH
Advocate
Tehsil, Dhampur, (Bijnor) U.P.
Reg. No. 9447/2017
Valid 11-08-2027
GOVT. OF INDIA

Sworn before me on the 21 day of 03-24
by Chandrashekhar
Who has been identified by Rajneesh Gautam Adv
Who is personally known to me.
Whose Signature (S) is are here to appended.

HARIOM SINGH
Advocate/Notary
Teh. Dhampur (Bijnor) U.P.

संलग्नक सारणी 'क'

(क)	संबद्ध पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट सं.	1. 152/17 को0 देहात, सहारनपुर 2. 154/17 को0 देहात, सहारनपुर 3. 155/17 को0 देहात, सहारनपुर 4. 156/17 को0 देहात, सहारनपुर 5. 157/17 को0 देहात, सहारनपुर 6. 158/17 को0 देहात, सहारनपुर 7. 159/17 को0 देहात, सहारनपुर 8. 160/17 को0 देहात, सहारनपुर 9. 161/17 को0 देहात, सहारनपुर 10. 162/17 को0 देहात, सहारनपुर 11. 163/17 को0 देहात, सहारनपुर 12. 3992/17 को0 देहात, सहारनपुर

		13. 164/17 को0 देहात, सहारनपुर 14. 165/17 को0 देहात, सहारनपुर 15. 166/17 को0 देहात, सहारनपुर 16. 167/17 को0 देहात, सहारनपुर 17. 168/17 को0 देहात, सहारनपुर 18. 169/17 को0 देहात, सहारनपुर 19. 171/17 को0 देहात, सहारनपुर 20. 173/17 को0 देहात, सहारनपुर 21. 14/22 तीतरो, सहारनपुर 22. 243/17 सदर बाजार, सहारनपुर 23. 345/20 सदर बाजार, सहारनपुर 24. 159/19 सदर बाजार, सहारनपुर

		25. 59/19 जनकपुरी, सहारनपुर 26. 59/22 गगोह, सहारनपुर 27. 3394/18 साहिबाबाद जनपद गाज़ियाबाद 28. 1380/19 इंदिरापुरम जनपद गाज़ियाबाद 29. 250/19 दरियागंज दिल्ली 30. 280/19 गोविंदपुरी साउथ दिल्ली 31. 251/19 देवबंद, सहारनपुर 32. 224/2019 कोतवाली मुजफ्फरनगर 33. 97/2021 चरथावल, मुजफ्फरनगर 34. 132/2020 लखनऊ 35. 287/2020 हाथरस 36. 450/2020 अलीगढ 37. 93/2020 अलीगढ़ 38. 146/2019 नगीना, बिजनौर
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला सं.	1. ADJ-08 कोर्ट St No.2010/2018 सहारनपुर CS No.32/17 2. ACJM-I कोर्ट सहारनपुर Case No.1477/18 3. Merged in crime no 163/2017

		4. ADJ-08 कोर्ट St No.212/2018 सहारनपुर CS NO.33/17 5. Merged in Crime No. 163/17 6. Merged in Crime No. 163/17 7. Merged in Crime No. 163/17 8. Merged in Crime No. 163/17 9. Merged in Crime No. 163/17 10. ADJ-08 कोर्ट ST.No 214/2018 सहारनपुर CS No.39/17 dated 02.07.17 व CS No. 39A/17 dated 30.06.18 11. ADJ-08 ST No.216/2018 सहारनपुर CS No.38/17 dated 29.07.17 & CS No.38A/17 dated 19.12.17 & CS No.38B/17 dated 30.06.18 12. Case Disposed of 13. Merge in Crime No.163/17 14. Merge in Crime No.163/17 15. Merge in Crime No.163/17 16. Merge in Crime No.163/17 17. Merge in Crime No.163/17

		18. Merge in Crime No.163/17 19. Merge in Crime No.163/17 20. Merge in other Crime No 21. J.M.-III कोर्ट सहारनपुर Case No.3315/22 22. CJM कोर्ट सहारनपुर Case No.8172/17 23. CJM कोर्ट सहारनपुर Case No.2840/22, case Disposed of Judgment date 29.11.22 24. CJM कोर्ट सहारनपुर Case No.1321/2019 25. ACJM-II कोर्ट सहारनपुर Case NO.8495/19 No Chargesheet Against me 26. ACJM-II कोर्ट सहारनपुर Case No.2379/2023 27. CJM Ghaziabad CS Dated 11.02.23 28. मा0 न्यायालय विचाराधीन CS dated 30.09.22 29. No Chargesheet filed. 30. Closer report dated 23.12.19

		31. ACJM - Deoband case No 32. JM- Case No 2194/2021 33. JM- Case No.801/2021 34. No Chargesheet 35. No Chargesheet 36. No Chargesheet 37. No Chargesheet 38. JM कोर्ट नगीना, बिजनौर Case No.146/2019
(ग)	अंतर्वलित संबद्ध अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की सं. दें, अर्थात् भारतीय दंड सहिता, आदि की धारा.....)	1. 147, 148, 149, 307, 332, 336, 427, 436, 353, 323 भादवि व 7 क्रि0 ला0 एक्ट व 3/4 लो0 स0 क्ष0 नि0 अधि0 2. 147/148/149/435 भादवि 3. 7 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधि0 व 147/148/ 149/307/323/325/332/352/ 353/395/427/435/504 भादवि 4. 147/148/149/452/307/ 436/427 भादवि 5. 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 व 147/148/149/307/3023/325 /332/352/353/393/395/427 /435/504 भादवि 6. 323/436 भादवि 7. 147/148/452/427 भादवि 8. 147/148/435/427 भादवि

		9. 147/148/149/307/323/325 /332/352/353/395/427/435 /504 भादवि 10. 147/148/149/307/332/353/ 436/427 भादवि व 7 क्रि0 ला एक्ट व 3/4 लो0 स0 क्ष0 नि0 अधि0 11. 147/148/149/307/323/504 भादवि 12. 3(2) रा0 सु0 का0 अधि0 13. 3 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 व 147/148/149/307/323 14. 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 व 147/148/149/307/323/325/ 332/352/353/395/427/435/ 504 भादवि 15. 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 व 147/148/149/307/323/325/ 332/352/353/395/427/435/ 504 भादवि 16. 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 व 147/148/149/307/323/325/ 332/352/353/395/427/435/ 504 भादवि 17. 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 व 147/148/149/307/323/325/ 332/352/353/395/427/435/ 504 भादवि

		18. 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 व 147/148/149/307/323/325/ 332/352/353/395/427/435/ 504 भादवि 19. 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 व 147/148/149/307/323/325/ 332/352/353/395/427/435/ 504 भादवि 20. 7 आपराधिक कानून (संशोधन) अधि0 व 147/148/149/307/323/325/ 332/352/353/395/427/435/ 504 भादवि व 3/4 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधि0 21. धारा 88/17 1 एफ़ भादवि व 3/4 महामारी अधि0 22. 120बी, 505(1)सी, 502(2)बी भादवि व 66 एफ़ आई0 टी0 एक्ट 23. 188/269/270/341 IPC & 51A आपदा अधि0 24. 147/188 भादवि 25. 147/188 भादवि 26. धारा 88/171 (ग) भादवि व 3/4 महामारी अधि0 27. 147/148/149/323/506 भादवि 28. 147/148/149/341/332/353 भादवि

		29. 147/148/149/436/427/323/ 353/332/120बी भादवि व 3/4 लो0 स0 क्ष0 नि0 अधि0 30. 143/147/148/149/186/332/ 353/323/308/435/427/127बी/ 34 भादवि व 3/4 लो0 स0 क्ष0 नि0 अधि0 31. 143,147,149,332,353ipc 32. 188,171H,269,270 ipc 33. 188,171F ipc 34. 188,269 ipc व 51आपदा प्रबंधन अधिनियम 35. 147,341,188,269,270 ipc व 3 महामारी अधिनियम 36. 188,269 ipc 3/4 महामारी अधिनियम 37. 188,269 ipc 3 महामारी अधिनियम 38. 117,153,505(2) ipc
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	धाराओं के अनुसार
(ङ)	क्या आरोप विरचित किए गए हैं (हां या नहीं का उल्लेख करें)	1.crime no-152/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... हां 2.crime no-154/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 3.crime no-155/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 4.crime no-156/17 को0 देहात, सहारनपुर .....हां 5.crime no.-157/17

		को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 6.crime no-158/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 7.crime no-159/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 8.crime no-160/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 9.crime no-161/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 10.crime no-162/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... हां 11.crime no-163/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... हां 12.crime no-3992/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 13.crime no-164/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 14.crime no-165/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 15.crime no-166/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 16.crime no-167/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 17.crime no-168/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं

		18.crime no-169/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 19.crime no-171/17 को0 देहात, सहारनपुर .... नहीं 20.crime no-173/17 को0 देहात, सहारनपुर ..... नहीं 21.crime no-14/22 तीतरो, सहारनपुर ..... नहीं 22.crime no-243/17 सदर बाजार, सहारनपुर .... नहीं 23.crime no-345/20 सदर बाजार, सहारनपुर .... नहीं 24.crime no-159/19 सदर बाजार, सहारनपुर .... नहीं 25.crime no-59/19 जनकपुरी, सहारनपुर .... नहीं 26.crime no-59/22 गगोह, सहारनपुर ..... नहीं 27.crime no-3394/18 साहिबाबाद जनपद गाज़ियाबाद ..... नहीं 28.crime no-1380/19 इंदिरापुरम जनपद गाज़ियाबाद..... नहीं 29.crime no-250/19 दरियागंज दिल्ली ..... नहीं 30.crime no-280/19 गोविंदपुरी

		साउथ दिल्ली ....नहीं 31.crime no-251/19 देवबंद, सहारनपुर ... नहीं 32.crime no-224/2019 कोतवाली मुजफ्फरनगर... .... नहीं 33.crime no-97/2021 चरथावल, मुजफ्फरनगर.. नहीं 34.crime no- 132/2020 लखनऊ .. नहीं 35.crime no-287/2020 हाथरस .... नहीं 36.crime no-450/2020 अलीगढ.... नहीं 37.crime no-93/2020 अलीगढ़ ..... नहीं 38.crime no-146/2019 नगीना, बिजनौर ... नहीं
(च)	यदि उपरोक्त मद (ङ) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दे, जिसको आरोप विरचित किए गए थे	1.Crime No. 152/17, ST No.210/18 आरोप विरचित तारीख 01.05.2019 2.Crime No.156/17, ST No.212/18 आरोप विरचित तारीख 01.05.2019 3.Crime No.162/17, ST No.214/18

		आरोप विरचित तारीख 01.05.2019 4.Crime No.163/17 ST No.216/18 आरोप विरचित तारीख 01.05.2019 अन्य मुकदमों में आरोप विरचित नहीं है ।
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरुद्ध कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	नहीं